परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

बहुत-से लोग तब व्याकुल हो जाते हैं जब वे देखते हैं कि दुष्ट लोग समृद्ध होते हैं और शांति से जीवन बिताते हैं, जबकि धर्मी लोग दुःख उठाते हैं। परंतु पवित्रशास्त्र हमें दिखाता है कि परमेश्वर अपनी सर्वोच्च बुद्धि में कभी-कभी दुष्टों को भी सुरक्षा, सफलता और लंबा जीवन देता है। यह इसलिए नहीं कि वह पाप को स्वीकार करता है, बल्कि इसलिए कि वह धैर्यवान है और मन फिराव का अवसर देता है (2 पतरस 3:9)। कैन की कहानी इसका स्पष्ट उदाहरण है।

1. हत्या के बाद कैन को मिला संरक्षण

जब कैन ने अपने भाई हाबिल की हत्या की, तब परमेश्वर ने उसे श्राप दिया और कहा कि वह पृथ्वी पर भटकने वाला और भगोड़ा होगा। पर जब कैन ने अपने प्राणों के लिए भय व्यक्त किया, तो परमेश्वर ने उसे और दंड देने के बजाय सुरक्षा प्रदान की:

उत्पत्ति 4:14–15 (हिंदी बाइबल):
“देख, तू ने आज मुझे भूमि के ऊपर से निकाल दिया है, और मैं तेरे सामने से छिपा रहूँगा; और मैं पृथ्वी पर भटकता और मारा-मारा

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

फिरूँगा, और जो कोई मुझे पाएगा, वह मुझे घात करेगा।”
तब यहोवा ने उससे कहा, “ऐसा नहीं; जो कोई कैन को घात करेगा, उससे सात गुना बदला लिया जाएगा।” और यहोवा ने कैन के लिए एक चिन्ह ठहराया, ताकि जो कोई उसे पाए, वह उसे न मारे।

यद्यपि कैन ने मानव इतिहास की पहली हत्या की, फिर भी परमेश्वर ने उस पर एक चिन्ह लगाया ताकि वह हानि से सुरक्षित रहे। सात गुना बदले का अर्थ यह था कि जो कोई स्वयं न्याय करेगा, उसे कठोर दंड मिलेगा। इसमें परमेश्वर का संयम और धैर्य प्रकट होता है (रोमियों 2:4), यहाँ तक कि पापियों के प्रति भी।

यह ध्यान देने योग्य है कि कैन ने मन फिराव नहीं किया। वह पाप से नहीं, बल्कि उसके परिणामों से डरता था। फिर भी परमेश्वर ने उस पर दया की। यह नए नियम की उस सच्चाई की ओर संकेत करता है कि परमेश्वर धर्मियों और अधर्मियों दोनों पर अपनी धूप और वर्षा देता है (मत्ती 5:45) — अर्थात वह सब लोगों पर सामान्य अनुग्रह करता है, यहाँ तक कि उन पर भी जो उसका विरोध करते हैं।

2. लामेक का घमंड और ईश्वरीय दया का दुरुपयोग

कैन की वंशावली में विद्रोह की आत्मा आगे बढ़ती गई। उसका एक वंशज, लामेक, और भी अधिक हिंसक और घमंडी था। उसने केवल एक चोट के कारण एक मनुष्य को मार डाला और फिर अपने लिए परमेश्वर की सुरक्षा का दावा किया, बल्कि उसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया:

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

उत्पत्ति 4:23–24 (हिंदी बाइबल):
“लामेक ने अपनी पत्नियों से कहा,
‘आदा और सिल्ला, मेरी सुनो;
हे लामेक की पत्नियो, मेरी बात पर ध्यान दो!
मैं ने एक मनुष्य को अपने घाव के कारण,
और एक जवान को अपनी चोट के कारण मार डाला है।
यदि कैन का बदला सात गुना लिया जाएगा,
तो लामेक का सत्तर गुना सात।’”

यह नम्रता नहीं, बल्कि धर्म के आवरण में छिपा हुआ घमंड है। लामेक ने यह मान लिया कि परमेश्वर की न्याय व्यवस्था को अपने पक्ष में मोड़ा जा सकता है। उसने कैन पर दिखाई गई परमेश्वर की दया को पाप करने की छूट बना लिया। यही चेतावनी पौलुस ने दी थी:

रोमियों 6:1–2:
“तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बढ़े? कदापि नहीं!”

लामेक ने परमेश्वर की दया को हिंसा के औचित्य में बदल दिया। यह दर्शाता है कि ईश्वरीय धैर्य का दुरुपयोग कितना खतरनाक हो सकता है — जिसे आज हम “सस्ती अनुग्रह” कह सकते हैं: बिना सच्चे मन फिराव और बिना जीवन परिवर्तन के अनुग्रह पाना।

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

3. जलप्रलय से पहले संसार की बिगड़ती अवस्था

ऐसे घमंड और निरंकुश पाप के कारण पूरी मानव जाति शीघ्र ही घोर दुष्टता में डूब गई। हिंसा, भ्रष्टता और विद्रोह ने पृथ्वी को भर दिया।

उत्पत्ति 6:5–6 (हिंदी बाइबल):
“यहोवा ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्य की दुष्टता बहुत बढ़ गई है, और उसके मन के विचार सदा बुराई की ओर लगे रहते हैं।
तब यहोवा को खेद हुआ कि उसने मनुष्य को पृथ्वी पर बनाया है, और वह मन में बहुत दुःखी हुआ।”

परमेश्वर के लंबे धैर्य के बाद अंततः न्याय आया — महान जलप्रलय के रूप में। केवल नूह, जो धार्मिकता का प्रचारक था (2 पतरस 2:5), और उसका परिवार बचाया गया। यीशु ने स्वयं इस ऐतिहासिक घटना को अंतिम न्याय का चित्र बताया:

मत्ती 24:37–39 (हिंदी बाइबल):
“जैसे नूह के दिनों में हुआ, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।
क्योंकि जलप्रलय से पहले के दिनों में लोग खाते-पीते, विवाह करते और विवाह में देते रहे,
और उन्हें तब तक पता न चला जब तक जलप्रलय आकर उन सब को बहा न ले

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

गया।”

4. दुष्ट क्यों फलते-फूलते हैं?

तो फिर परमेश्वर दुष्टों को क्यों फलने-फूलने देता है? इसका उत्तर उसके धैर्य और मन फिराव की इच्छा में है:

सभोपदेशक 8:11:
“जब किसी बुरे काम का दंड तुरंत नहीं दिया जाता, तब मनुष्य का मन बुराई करने में और भी दृढ़ हो जाता है।”

और फिर:

रोमियों 2:4:
“क्या तू उसके अनुग्रह, सहनशीलता और धैर्य की धन-संपत्ति को तुच्छ समझता है? क्या तू नहीं जानता कि परमेश्वर की भलाई तुझे मन फिराव की ओर ले जाती है?”

भौतिक समृद्धि यह प्रमाण नहीं कि परमेश्वर किसी के जीवन से प्रसन्न है। बहुत-से लोग सांसारिक शांति का आनंद लेते हैं, पर अचानक न्याय में पड़ जाते हैं:

1 थिस्सलुनीकियों 5:3:

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

“जब लोग कहेंगे, ‘शांति और सुरक्षा है,’ तब उन पर अचानक विनाश आ पड़ेगा, और वे बच न सकेंगे।”

5. हमारी पीढ़ी के लिए गंभीर चेतावनी

आज हम ऐसी पीढ़ी में जी रहे हैं जो दुष्टता में नूह के दिनों से भी आगे निकल गई है — जबकि हमारे पास पूरा सुसमाचार, बाइबल और सदियों की ईश्वरीय प्रकाशना उपलब्ध है।

यीशु ने कफरनहूम को, जिसने बहुत से चमत्कार देखे पर मन न फिराया, कठोर चेतावनी दी:

मत्ती 11:23–24 (हिंदी बाइबल):
“हे कफरनहूम, क्या तू स्वर्ग तक ऊँचा किया जाएगा? तू अधोलोक तक गिराया जाएगा। क्योंकि जो सामर्थ्य के काम तुझ में किए गए, यदि सदोम में किए गए होते, तो वह आज तक बना रहता।
पर मैं तुम से कहता हूँ कि न्याय के दिन सदोम के देश की दशा तुम से अधिक सहने योग्य होगी।”

यदि जिन्होंने मसीह को अपने सामने देखा फिर भी अस्वीकार किया, उन्हें कठोर दंड मिलेगा, तो उन लोगों का क्या होगा जिनके पास पूरा सुसमाचार है और फिर भी वे विद्रोह में रहते हैं?

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

6. मन फिराव का आह्वान

मित्र, अस्थायी शांति या प्रत्यक्ष दंड के अभाव से धोखा मत खाना। समृद्धि परमेश्वर की स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। आज उद्धार का दिन है (2 कुरिन्थियों 6:2)। हो सकता है तुम पाप में रहते हुए भी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सफलता का आनंद ले रहे हो — पर यह सदा नहीं रहेगा।

इब्रानियों 10:31:
“जीवित परमेश्वर के हाथों में पड़ना भयावह बात है।”

अपने जीवन की जाँच करो। पाप से मन फिराओ। परमेश्वर की दया को व्यर्थ न जाने दो। मसीह के पास आओ और नए बनो।

2 कुरिन्थियों 5:17:
“यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब कुछ नया हो गया है।”

मरानाथा!
प्रभु शीघ्र आने वाला है। क्या तुम तैयार हो?

परमेश्वर दुष्टों को भी संरक्षण देने में संकोच नहीं करता

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp